Mitch an University The Gazette of India

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग[™]II---लाक 3---उपलब्ब (1)

PART II-Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 60]

नई विल्ली, बुधवार, फरवरी 18, 1976/माध 29, 1897

No. 60] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 18, 1976/MAGHA 29, 1897

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या ी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th February 1976

G.S.R. 87(E).—The following draft of certain rules further to amend the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, which the Central Government proposes to make in exercise of powers conferred by section 22 of the Rice-Milling Industry (Regulation) Act, 1958 (21 of 1958), is hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of 45 days from the date on which the copies of the Ollicial Gazette in which this notification is published are made available to the public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified shall be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

- 1. These rules may be called the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Amendment Rules, 1976.
 - 2. In the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959,-
 - (1) In rule 3,--
 - (i) in sub-rule (2), after the words, "adequate supply of rice", the words "and whether the proposed mill shall help in avoiding wastages and improve

- quality of rice and other bye-products through the adoption of modern techniques" shall be inserted;
- (ii) in sub-rule (3), for clauses (a), (b) and (c), the following clauses shall be substituted, namely:—
 - "(a) in case the proposed mill consists of one or more than one huller, the applicant shall ensure that no such huller is utilised for dehusking paddy and that for the purpose of such dehusking such applicant instals a rubber roll sheller or centrifugal dehusker along with a paddy cleaner and a paddy separator at any time before such establishment or recommencement of milling operations in a defunct rice mill, provided that in the case of a single huller, the dehusker, paddy cleaner and paddy separator may be installed either as individual separate units or be incorporated into one integrated composite mill;
 - (b) in case the proposed mill is a sheller-cum-huller type, the applicant shall ensure that—
 - (i) he instals a rubber roll sheller with a paddy cleaner and a paddy separator for purposes of dehusking paddy;
 - (ii) he utilises the huller only for the polishing of rice till such time as directions to the contrary are received by him from the said authority or the licensing officer; and
 - (c) in case the proposed mill is a sheller type, the applicant shall ensure that he instals a rubber roll sheller fitted with a paddy cleaner and paddy separator":
- (2) in the Schedule, in Form IV, in clause 3, in condition (3D),-
 - (i) for paragraph (a), the following paragraph shall be substituted, namely:--
 - "(a) Where the rice mill consists of a single huller or more than one huller,—
 - (i) he shall not utilise the huller for denusking paddy, but utilise it only for polishing rice, and
 - (ii) he shall instal either a rubber roll sheller or a centrifugal dehusker with paddy cleaner and paddy separator";
 - (ii) in paragraph (b), in sub-paragraph (ii), for the letter and words "a rubber roller", the letter and words "a rubber roll sheller" shall be substituted;
- (iii) to condition (3d), the following footnote shall be added, namely:—
 - "Note.—In the case of mills licensed prior to the 30th April, 1975, the licensing officer may, for sufficient reasons, extend the period of modernisation by another two years".

[No. 10 (4)/73-WT. III/DR. III]

L. C. GUPTA, Jt. Secy.

कृषि भौर सिंचाई मंत्रालय (काद्य विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1976

सा० का० नि० 87 (घ).—िन्द्रीय सरकार, धान कुटाई उद्योग (विनियमन) अधि-नियम, 1958 (1958 का 21) की धारा 22 द्वारा प्रवत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, धान-कुटाई उद्योग (विनियमन श्रोर श्रनुजापन) नियम, 1959 में श्रीर सशोधन करने के लिए कतिपय नियम बनाना चाहती है। जैसाकि उक्त धारा की उपधारा (1) में श्रपेक्षित है, प्रस्तावित नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की सभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उसी तारीख से जिसकी उस राजपक्ष की प्रतियां जिसमें यह भ्रधि-सूचना प्रकाणित की जाती हैं, जनता को उपलब्ध कराई जाती है, 45 दिन की ग्रवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत <mark>जो भी धाक्षेप या सुझाव किसी</mark> व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार उस पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

- 1. इन नियमों का नाम धान-कुटाई उद्योग (विनियमन भौर श्रनुजापन) संशोधन नियम, 1976 है।
 - 2. धान-कुटाई उद्योग (विनियमन भ्रीर अनुज्ञापन) नियम, 1959 में,---
 - (1) नियम 3 में,--
 - (i) उपनियम (2) मे, "ग्रावण्यक है" शब्दों के पश्चात् "ग्रीर क्या प्रस्तापित मिल ग्राधुनिक तकनीकों को ग्रपनाकर बरबादी को रोकने ग्रीर चावल तथा उपोत्पादों की क्वालिटी सुधारने में सहायता वेंगी" शब्द ग्रन्तः स्थापित किए जाएंगे ;
 - (ii) उपनियम (3) में, खण्ड (क), (ख) श्रीर (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखे जाएंगे, श्रर्थात् :---
 - (क) यदि प्रस्थापित मिल मे एक या एक से प्रधिक भूसी उतारने के यंत्र (हलर) हों, तब भावेदक यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसा कोई भूसी उतारने का यंत्र (हलर) धान की भूसी उतारने के लिए उपयोग में नहीं लाया जाए, भौर ऐसे भूसी उतारने के प्रयोजनार्थ ऐसा भावेदक ऐसे स्थापन या किसी निष्क्रिय चावल मिल में कुटाई के काम को फिर से भारम्भ करने के पूर्व किसी समय धान क्लीनर भौर घान पृथकित्र के साथसाथ रबड़ रोल शेलर या भ्रपकेन्द्री डिहस्कर लगाए: परन्तु एकल भूसी उतारने के यंत्र (हलर) की दशा में, डिहस्कर, धान क्लीनर भौर घान पृथीकित्र या तो भकेले पृथक एककों के स्प में लगाए जा सकोंगे या एक एकीकृत संयुक्त मिल में निगमित किए जा सकोंगे;
 - (अ) यवि प्रस्थापित मिल, शेलर-एवं-हलर किस्म की हो, तो श्रावेदक यह सुनिश्चित करेगा कि—-
 - (i) वह घान की भूसी उतारने के प्रयोजनों के लिए धान क्लीनर ग्रीर घान पृथिकत के साथ रवड़ रोल गोलर लगाए;
 - (ii) वह उस समय तक, जब तक उक्त प्राधिकारी या अनुज्ञापन ग्रधिकारी से उसे तत्प्रतिकृष निदेश प्राप्त नहीं होते भूसी उतारने के यंत्र (हलर) का प्रयो केवल चावल को चसकाने के लिए करें; भौर

- (ग) यवि प्रस्थापित मिल, णेलर किस्म की हो, तो धावेदक यह सुनिष्चित करेगा कि वह घान क्लीनर और घान पृथिकत्न के साथ फिट किया हुआ रखड़ रोल शेलर लगाए";
- (2) म्रनुसूची में प्रारूप के खण्ड 3 की मर्त (3घ) में,—
 - (i) पैरा (क) के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, भ्रथीत् :—
 "(क) जहां चावल मिल में एकल भूसी उतारने का यंत्र (हलर)
 या एक से भ्रधिक भूसी उतारने के यंत्र (हलर) हों, वहां
 - (i) वह घान की भूसी उतारने के लिए हलर का प्रयोग नहीं करेगा, किन्तु केवल चावल को चमकाने के लिए उसका प्रयोग करेगा, श्रीर
 - (ii) वह धान क्लीनर और धान पृथीकृत के साथ या तो रबड़ रोल गेलर या अपकेन्द्री डिहस्कर लगाएगा";
 - (ii) पैरा (ख) के उपवैरा (ii) में, "रबड़ रोलर" मब्दो के स्थान पर, "रबड़ रोल मेलर" मब्द रखे जाएंगे;
 - (iii) शर्त (3ध) में निम्नलिखित पाद टिप्पण जोडा जाएगा, श्रर्थात् :-टिप्पण :- 30 श्रप्रैल, 1975 के पूर्व श्रनुज्ञप्त मिलों की दशा में,
 श्रनुज्ञापन श्रधिकारी, पर्याप्त कारणों से, श्राधुनिकीकरण
 की श्रवधि दो वर्ष श्रौर बढा सकेगा"।

[संं 10(4)/73-डब्ल्यू टी III/डी ग्रार III] एल ० सी ० गुप्त, संयुक्त सचिव ।